Shiv Chhatrapati Shikshan Sanstha's

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

Empowered Autonomous Institution

Structure and Curriculum of Four Year Multidisciplinary Degree (Honors/Research) Programme with Multiple Entry and Exit option

Undergraduate Programme of Art's

B.A. First Year

Board of Studies

in

Department of Hindi

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

Empowered Autonomous Institution

[UG I Year]

w.e.f. June, 2026

(In Accordance with NEP-2020

Review Statement

The NEP Cell reviewed the Curriculum of **UG First Year** to be effective from the **Academic Year 2026-27.** It was found that, the structure is as per the NEP-2020 guidelines of Govt. of Maharashtra.

Date: 16 /04/2026

Place: Latur

NEP CELL
Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur
Empowered Autonomous Institution

शिव छत्रपती शिक्षण संस्था लातूर
।। आरोह तमसो ज्योतिः।।
Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur (Autonomous)

CERTIFICATE

I hereby certify that the documents attached are the Bonafide copies of the Curriculum of **UG. First Year** to be effective from the **Academic Year 2026-27.**

Date: 16 /04/2026

Place: Latur

Dr. Pallavi Bhudev Patil

Chairperson

Board of Studies in Hindi

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

Empowered Autonomous Institution

शिव छत्रपती शिक्षण संस्था लातूर
।। आरोह तमसो ज्योतिः ।।
Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur (Autonomous)

Shiv Chhatrapati Shikshan Sanstha's

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

Empowered Autonomous Institution

Members of Board of Studies in Hindi

Under the Faculty of B. A. First Year

Sr. No.	Name	Designation	In position
1	**Dr. Pallavi B. Patil,** Asso..Prof.,and HoD, RSML	Chairperson	HoD
2	**Dr. Babankumar Bodke,** HoD., Dept. of Hindi, Mahatma Phule Mahavidyalaya, Kingaon	Member	V.C. Nominee
3	**Dr. Rajkumar Jadhav**, Dept of Hindi, Vasantrao kale Mahavidyalaya , Dhoki	Member	Academic Council Nominee
4	**Dr. Sadanand K. Bhosale**, Dept. of Hindi, Savitribai Phule Pune University, Pune	Member	Expert from outside for Special Course
5	-	Member	Expert from outside for Special Course
6	-	Member	Expert from Industry
7	**Dr. Dilip Gujarge**, Department of Hindi, Jaykranti College, Latur	Member	P.G. Alumni
8	**Prof. S.R. Chavan,** Assit Prof. RSML	Member	Faculty Member
9	**Prof. A.D. Landge,** Assit Prof. RSML	Member	Faculty Member

शिव छत्रपती शिक्षण संस्था लातूर
॥ आरोह तमसो ज्योतिः॥
Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur (Autonomous)

From the Desk of the Chairperson…

राजर्षि शाहू महाविद्यालय की स्थापना से अर्थात लगभग १९७० से हिंदी विभाग कार्यरत है। इ. स २०१३ से महाविद्यालय ने स्वायत्तता स्वीकार की थी तभी से विभाग हर प्रकार से छात्रों की दृष्टि से पाठ्यक्रम को बेहतर बनाने का प्रयास कर रहा है। पाठ्यक्रम को बेहतर बनाने के लिए उमदा अध्ययन मंडल का निर्माण विभाग ने किया है। अपने अध्ययन मंडल के सम्माननीय सुझावों के कारण हम पाठ्यक्रम स्तरीय बना पाए हैं। नई शिक्षा प्रणाली (NEP2020) पाठ्यक्रम में उपन्यास, कहानी, नाटक, एकांकी, कविता, निबंध, आत्मकथा, जीवनी रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा वृतांत आदि साहित्यिक विधाओं द्वारा छात्रों में सृजनशीलता, कल्पना शक्ति को विकसित करना साथ में छात्रों के लिए विविध भाषाई कौशल, अनुवाद, पटकथा लेखन, विज्ञापन लेखन, कंप्यूटर, पत्र लेखन, व्याकरण तथा भाषा विज्ञान को पाठ्यक्रम में सम्मिलित किया गया है। इससे छात्रों के रोजगार को बढ़ावा मिलेगा।

पाठ्यक्रम को और अधिक सशक्त बनाने के लिए विभाग सतत अग्रेसर रहता है। विभाग में पिछले 55 वर्षो से अधिक हिंदी दिवस समारोह मनाता आ रहा है। समय-समय पर छात्रों के लिए विविध विषयों पर कार्यशालाएं तथा अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया जाता है. अलग-अलग विषयों पर सेमिनार, वेबिनर, राष्ट्रीय संगोष्टी का आयोजन किया जाता है। छात्रों के असाइनमेंट में छात्रों के कौशलों को विकसित किया जाता है, भाषण प्रतियोगिता, निबंध लेखन प्रतियोगितायें आयोजित की जाती हैं. रंगोली, देशभक्तिपरक गीत गायनज जैसी प्रतोयोगिताओं का आयोजन किया जाता है।

निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल l
बिन निज भाषा ज्ञान के, मिटन न हिय के सूल ll

- भारतेंदु जी

Chairperson

Dr. Pallavi Bhudev   Patil

Board of Studies in Hindi
Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur
Empowered Autonomous Institution

Shiv Chhatrapati Shikshan Sanstha's

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

Empowered Autonomous Institution

Index

Sr. No.	Content	Page No.
1	Structure for Four Year Multidisciplinary UG Programme	1
2	Abbreviations	2
3	Courses and Credits	3
4	UG Program Outcomes	4
5	UG Programme Specific Outcomes	5
6	**Curriculum: Semester-I**	6
	DSC I : **कथा साहित्य**	7
	DSC II : **नाटक तथा एकांकी**	10
	VSC I : **व्यावसायिक हिंदी : संप्रेषण कला (भाग 01)**	13
7	**Curriculum: Semester-II**	19
	DSC III : **उपन्यास साहित्य**	20
	DSC IV : **आत्मकथा एवं जीवनी**	23
	VSC II : **व्यावसायिक हिंदी : संप्रेषण कला (भाग 02)**	26
8	Basket I: Open Elective (OE)	
9	Basket II: Skill Enhancement Courses (SEC)	-
10	Basket III: Ability Enhancement Courses (AEC)	16, 29
11	Extra Credit Activities	32
12	Examination Framework	34

शिव छत्रपती शिक्षण संस्था लातूर
।। आरोह तमसो ज्योतिः।।
Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur (Autonomous)

Shiv Chhatrapati Shikshan Sanstha's

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

Empowered Autonomous Institution

Faculty of Arts

Structure for Four Year Multidisciplinary Undergraduate Degree Programme in BA FY Multiple Entry and Exit (In accordance with NEP-2020)

Year & Level	Sem	Major		Minor	OE	VSC/ SEC (VSEC)	AEC/ VEC	OJT,FP,CEP, RP	Credit per Sem.	Cum./Cr. per exit
		DSC	DSE							
1	**2**	**3**		**4**	**5**	**6**	**7**	**8**	**9**	**10**
I 4.5	I	DSC I: 04 Cr. DSC II: 04 Cr.	NA	NA	OE-I: 04 Cr.	VSC-I: 02 Cr. SEC-I: 02 Cr.	AEC-I MIL: 02 Cr. VEC-I: 02 Cr.	CC-I: 02 Cr. (NSS, NCC, Sports, Cultural)/ CEP-I: 02 Cr. (SES-I)/ OJT: 02 Cr. / Mini Project: 02 Cr.	22	44 Cr. UG Certificate
	II	DSC III: 04 Cr. DSC IV: 04 Cr.	NA	NA	OE-II: 04 Cr.	VSC-II: 02 Cr. SEC-II: 02 Cr.	AEC-II MIL: 02 Cr. VEC-II: 02 Cr.	Generic IKS: 02 Cr.	22	
	Cum. Cr.	16	-	-	08	04+04=08	04+02+02=08	04	44	
Exit Option: Award of UG Certificate in Major with 44 Credits and Additional 04 Credits Core NSQF Course / Internship or continue with Major and Minor										

Abbreviations:

1.	DSC	: Discipline Specific Core (Major)
2.	DSE	: Discipline Specific Elective (Major)
3.	DSM	: Discipline Specific Minor
4.	OE	: Open Elective
5.	VSEC	: Vocational Skill and Skill Enhancement Course
6.	VSC	: Vocational Skill Course
7.	SEC	: Skill Enhancement Course
8.	AEC	: Ability Enhancement Course
9.	MIL	: Modern Indian Languages
10.	IKS	: Indian Knowledge System
11.	FSRCE	: Fostering Social Responsibility & Community Engagement
12.	VEC	: Value Education Course
13.	OJT	: On Job Training
14.	FP	: Field Project
15.	CEP	: Community Engagement Programme
16.	CC	: Co-Curricular Course
17.	RP	: Research Project/Dissertation
18.	SES	: Shahu Extension Services

Shiv Chhatrapati Shikshan Sanstha's

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

Empowered Autonomous Institution

Faculty of Arts

BA First Year

Year & Level	Semester	Course Code	Course Title	Credits	No. of Hrs.
I 4.5	I	101HIN1101 (DSC-I)	**कथा साहित्य**	04	60
		101HIN1102 (DSC-II)	**नाटक तथा एकांकी**	04	60
		OE-I	From Basket	04	60
		101HIN1501 (VSC-I)	**व्यावसायिक हिंदी : संप्रेषण कला (भाग 01)**	02	30
		(SEC-I)	From Basket	02	30
		(AEC-I)	From Basket	02	30
		(VEC-I)	Constitution of India	02	30
		AIPC/OJT-I	Mini Project – I	02	60
	Total Credits			**22**	
	II	101HIN2101 (DSC-III)	**उपन्यास साहित्य**	04	60
		101HIN2012 (DSC-IV)	**आत्मकथा एवं जीवनी**	04	60
		OE-II	From Basket	04	60
		101HIN2501 (VSC-II)	**व्यावसायिक हिंदी : संप्रेषण कला (भाग 02)**	02	30
		(SEC-II)	From Basket	02	30
		(AEC-II)	From Basket	02	30
		CC	CC – I	02	30
		Generic IKS	Introduction to Indian Knowledge System	02	30
	Total Credits			**22**	
Total Credits (Semester I & II)				**44**	

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

Empowered Autonomous Institution

Name of the Programme : BA First Year

Programme Outcomes (POs) for BA First Year (Hindi)	
PO 1	**साहित्यिक एवं भाषाई ज्ञान का अधिग्रहण** विद्यार्थी हिंदी साहित्य की विभिन्न विधाओं (कथा, नाटक, उपन्यास, आत्मकथा, जीवनी, कविता, ग़ज़ल आदि) और भाषा शिक्षण के मूलभूत सिद्धांतों का गहन ज्ञान प्राप्त करेंगे।
PO 2	**आलोचनात्मक एवं विश्लेषणात्मक सोच** विद्यार्थी साहित्यिक कृतियों का तुलनात्मक अध्ययन कर सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक संदर्भों का आलोचनात्मक विवेचन करेंगे।
PO 3	**सृजनात्मक अभिव्यक्ति कौशल** विद्यार्थी कविता, ग़ज़ल, कहानी, नाटक और अन्य विधाओं में सृजनात्मक लेखन कर अपनी अभिव्यक्ति क्षमता को विकसित करेंगे।
PO 4	**संप्रेषण एवं वक्तृत्व दक्षता** विद्यार्थी संभाषण, निवेदन, वाद-विवाद और मंच संचालन में प्रभावी संप्रेषण और वक्तृत्व कौशल प्रदर्शित करेंगे।
PO 5	**सामाजिक-सांस्कृतिक संवेदनशीलता** विद्यार्थी साहित्य के माध्यम से भारतीय समाज, संस्कृति, परंपरा और समकालीन समस्याओं की गहरी समझ विकसित करेंगे।
PO 6	**नैतिकता, मूल्यबोध और सामाजिक जिम्मेदारी** विद्यार्थी साहित्यिक अध्ययन से मानवीय मूल्यों, नैतिकता और सामाजिक जिम्मेदारी को आत्मसात करेंगे।
PO 7	**अनुसंधान एवं डिजिटल दक्षता** विद्यार्थी साहित्यिक अनुसंधान की विधियों को समझकर स्वतंत्र शोध कार्य करेंगे और डिजिटल माध्यमों पर संप्रेषण व प्रस्तुति में दक्षता प्राप्त करेंगे।
PO 8	**जीवन कौशल एवं रोजगारपरकता** विद्यार्थी भाषा और साहित्यिक अध्ययन से आत्मविश्वास, नेतृत्व, सहभागिता और रोजगारपरक दक्षता विकसित करेंगे।

Programme Specific Outcomes (PSOs) for BA First Year (Hindi)	
PSO No.	After completion of this programme the students will be able to -
PSO 1	**साहित्यिक विधाओं का आलोचनात्मक अध्ययन और मूल्यांकन** विद्यार्थी हिंदी साहित्य की प्रमुख विधाओं (कहानी, नाटक, उपन्यास, आत्मकथा, जीवनी, कविता, ग़ज़ल आदि) का तुलनात्मक और आलोचनात्मक अध्ययन कर सकेंगे।
PSO 2	**सृजनात्मक लेखन और अभिव्यक्ति कौशल** विद्यार्थी विभिन्न साहित्यिक रूपों में (कहानी, कविता, ग़ज़ल, नाटक) सृजनात्मक लेखन कर अपनी अभिव्यक्ति और लेखन क्षमता को विकसित करेंगे।
PSO 3	**संप्रेषण और प्रस्तुति दक्षता** विद्यार्थी संभाषण, निवेदन, वाद-विवाद, वक्तृत्व और मंच संचालन में व्यावहारिक संप्रेषण एवं प्रस्तुति कौशल प्रदर्शित करेंगे।
PSO 4	**सामाजिक-सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संवेदनशीलता** विद्यार्थी साहित्यिक कृतियों के माध्यम से भारतीय समाज, संस्कृति, इतिहास और समकालीन समस्याओं की गहरी समझ विकसित करेंगे।

शिव छत्रपती शिक्षण संस्था लातूर
॥ आरोह तमसो ज्योतिः॥
Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur (Autonomous)

Semester - I

शिव छत्रपती
शिक्षण संस्था
लातूर
।। आरोह तमसो ज्योतिः।।
Rajarshi Shahu Mahavidyalaya,
Latur (Autonomous)

Shiv Chhatrapati Shikshan Sanstha's

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

Empowered Autonomous Institution

Faculty of Arts

Department of Hindi

UG I SEM - I

Course Type: AEC I

Course Title: हिंदी भाषा शिक्षण एवं सृजनात्मक लेखन (भाग 01)

Course Code: 101HIN1701

Credits: 02 **Max. Marks: 50** **Lectures: 30 Hrs.**

Learning Objectives:

LO1. **भाषा और श्रवण कौशल की समझ विकसित करना**
विद्यार्थियों को हिंदी भाषा की प्रकृति, द्वितीय भाषा की संकल्पना और श्रवण कौशल के महत्व को समझाना।

LO2. **भाषण कौशल में दक्षता प्राप्त करना**
विद्यार्थियों में भाषण कौशल का अर्थ, महत्व और प्रभावी उच्चारण के गुणों को आत्मसात कराना।

LO3. **काव्य लेखन की सृजनात्मकता को बढ़ाना**
विद्यार्थियों को कविता की परिभाषा, प्रेरणा, प्रयोजन और भाषा के तत्वों को समझकर सृजनात्मक लेखन करना सीखाना।

LO4. **काव्य विश्लेषण और संवेदनशीलता विकसित करना**
विद्यार्थियों में इक़बाल और नागार्जुन की कविताओं का अध्ययन कर सामाजिक-सांस्कृतिक दृष्टिकोण और साहित्यिक संवेदनशीलता को जागृत करना।

Course Outcomes:

After completion of the course the students will be able to-

CO1. **भाषा और श्रवण कौशल में दक्षता**
विद्यार्थी हिंदी भाषा की प्रकृति, द्वितीय भाषा की संकल्पना और श्रवण कौशल के महत्व को समझकर व्यवहार में लागू कर सकेंगे।

CO2 **भाषण कौशल का विकास**
विद्यार्थी भाषण कौशल का अर्थ, महत्व और प्रभावी उच्चारण के गुणों को आत्मसात कर आत्मविश्वासपूर्वक प्रस्तुत कर सकेंगे।

CO3 **काव्य लेखन में सृजनात्मकता**
विद्यार्थी कविता की परिभाषा, प्रेरणा, प्रयोजन और भाषा के तत्वों को समझकर सृजनात्मक लेखन कर सकेंगे।

CO4 **काव्य विश्लेषण और आलोचनात्मक दृष्टि**
विद्यार्थी इक़बाल और नागार्जुन की कविताओं का अध्ययन कर सामाजिक-सांस्कृतिक महत्व और साहित्यिक संवेदनशीलता का आलोचनात्मक विवेचन कर सकेंगे।

Unit No.	Title of Unit & Contents	Hrs.
I	**हिंदी भाषा एवं श्रवण कौशल**	08
	1. भाषा की प्रकृति एवं द्वितीय भाषा की संकल्पना **2. भाषाई कौशल के प्रकार** **3. श्रवण कौशल का अर्थ एवं महत्व**	
	Unit Outcomes: UO 1. विद्यार्थी भाषा की प्रकृति, द्वितीय भाषा की संकल्पना और भाषाई कौशल के प्रकारों को समझ पाएंगे। UO 2 विद्यार्थी श्रवण कौशल का अर्थ और महत्व को आत्मसात कर व्यवहारिक जीवन में उसका प्रयोग कर सकेंगे।	
II	**भाषण कौशल**	07
	1. भाषण कौशल का अर्थ एवं महत्व **2. प्रभावी उच्चारण के गुण**	
	Unit Outcome: UO 1. विद्यार्थी भाषण कौशल का अर्थ और महत्व को समझ पाएंगे। UO 2 विद्यार्थी प्रभावी उच्चारण के गुणों को अपनाकर आत्मविश्वासपूर्वक भाषण प्रस्तुत कर सकेंगे।	
III	**काव्य लेखन**	08
	1. कविता का अर्थ एवं परिभाषा **2. कविता की प्रेरणा और प्रयोजन** **3. कविता के तत्व एवं भाषा**	
	Unit Outcomes: UO 1. विद्यार्थी कविता की परिभाषा, प्रेरणा और प्रयोजन को समझ पाएंगे। UO 2 विद्यार्थी कविता के तत्वों और भाषा का प्रयोग कर सृजनात्मक लेखन कर सकेंगे।	
IV	**काव्य**	07
	1. सारे जहां से अच्छा हिंदुस्तान हमारा – मोहम्मद इक़बाल **2. कालिदास सच-सच बतलाना – नागार्जुन**	
	Unit Outcomes: UO 1. विद्यार्थी इक़बाल और नागार्जुन की कविताओं का अध्ययन कर उनके सामाजिक-सांस्कृतिक महत्व को समझ पाएंगे। UO 2 विद्यार्थी इन कविताओं की साहित्यिक संवेदनशीलता और शैलीगत विशेषताओं का आलोचनात्मक विवेचन कर सकेंगे।	

शिव छत्रपती शिक्षण संस्था लातूर
Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur (Autonomous)

Learning Resources:

1. आधुनिक हिंदी कविता – डॉ. नामवर सिंह – राजकमल प्रकाशन – **2008**
2. काव्य और भाषा – डॉ. रामविलास शर्मा – लोकभारती प्रकाशन – **2005**
3. काव्य लेखन कला – डॉ. राधेश्याम मिश्रा – राजपाल एंड संस – **2013**
4. काव्य समीक्षा – डॉ. रामकृष्ण शर्मा – साहित्य भवन – **2016**
5. काव्य तत्व और परंपरा – डॉ. सुरेशचंद्र शुक्ल – प्रभात प्रकाशन – **2014**
6. कविता का विकास – डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी – भारतीय ज्ञानपीठ – **2010**
7. भाषण कला और कौशल – डॉ. नरेन्द्र मोहन – साहित्य भवन – **2011**
8. भाषा और संचार कौशल – डॉ. अर्चना सिंह – हिंदी ग्रंथ अकादमी – **2019**
9. हिंदी भाषा और श्रवण कौशल – डॉ. श्यामसुंदर शर्मा – राजकमल प्रकाशन – **2018**
10. हिंदी कविता: उद्भव और विकास – डॉ. भारत भूषण अग्रवाल – भारतीय ज्ञानपीठ – **2009**

Internal Examination Pattern :

CAT – I – Assignment / Film review / Book review etc.

CAT – II – Seminar / Poster Presentation / Surprise Test etc.

Mapping of POs, PSOs and COs:

COs/POs & PSOs	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4
CO1	3	2	1	2	2	1	2	2	2	2	2	2
CO2	2	2	2	3	2	2	2	3	2	3	3	2
CO3	2	2	3	2	2	2	2	2	2	3	2	2
CO4	2	3	2	2	3	2	2	2	3	2	2	3

Scale : 3 = High, 2 = Moderate, 1 = Low, 0 = No correlation.

Semester - II

शिव छत्रपती शिक्षण संस्था लातूर
।। आरोह तमसो ज्योतिः।।
Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur (Autonomous)

Shiv Chhatrapati Shikshan Sanstha's

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

Empowered Autonomous Institution

Faculty of Arts

Department of Hindi

UG I SEM - II

Course Type: AEC I

Course Title: हिंदी भाषा शिक्षण एवं सृजनात्मक लेखन (भाग 02)

Course Code: 101HIN2701

Credits: 02 **Max. Marks: 50** **Lectures: 30 Hrs.**

Learning Objectives:

LO1. **लेखन कौशल की समझ विकसित करना**
विद्यार्थियों को लेखन कौशल का अर्थ, प्रकार और अंगों को समझकर व्यवहारिक लेखन में दक्षता प्राप्त कराना।

LO2. **वाचन कौशल का महत्व आत्मसात करना**
विद्यार्थियों को वाचन कौशल का अर्थ, महत्व और प्रकारों को जानकर प्रभावी वाचन प्रस्तुत कराना।

LO3. **ग़ज़ल लेखन की परंपरा और स्वरूप को समझना**
विद्यार्थियों में ग़ज़ल की परिभाषा, उद्भव, विकास और स्वरूप का अध्ययन कर ग़ज़ल लेखन में सृजनात्मकता विकसित कराना।

LO4. **ग़ज़लों का साहित्यिक और सांस्कृतिक विश्लेषण करना**
विद्यार्थियों को दुष्यंत कुमार और मिर्ज़ा ग़ालिब की ग़ज़लों का अध्ययन कर उनके सामाजिक-सांस्कृतिक महत्व और साहित्यिक संवेदनशीलता का आलोचनात्मक विवेचन कराना।

Course Outcomes:

After completion of the course the students will be able to-

CO1. **लेखन कौशल में दक्षता**
विद्यार्थी लेखन कौशल का अर्थ, प्रकार और अंगों को समझकर व्यवहारिक लेखन में दक्षता प्राप्त करेंगे।

CO2 **वाचन कौशल का विकास**
विद्यार्थी वाचन कौशल का अर्थ, महत्व और प्रकारों को आत्मसात कर प्रभावी वाचन प्रस्तुत कर सकेंगे।

CO3 **ग़ज़ल लेखन की सृजनात्मकता**
विद्यार्थी ग़ज़ल की परिभाषा, उद्भव, विकास और स्वरूप का अध्ययन कर ग़ज़ल लेखन में सृजनात्मकता विकसित करेंगे।

CO4 **ग़ज़लों का साहित्यिक और सांस्कृतिक विश्लेषण**
विद्यार्थी दुष्यंत कुमार और मिर्ज़ा ग़ालिब की ग़ज़लों का अध्ययन कर उनके सामाजिक-सांस्कृतिक महत्व और साहित्यिक संवेदनशीलता का आलोचनात्मक विवेचन करेंगे।

Unit No.	Title of Unit & Contents	Hrs.
I	**लेखन कौशल**	**08**
	1. लेखन कौशल का अर्थ **2. लेखन के प्रकार** **3. लेखन के अंग**	
	Unit Outcomes: UO 1. विद्यार्थी लेखन कौशल का अर्थ, प्रकार और अंगों को समझ पाएंगे। UO 2 विद्यार्थी विभिन्न प्रकार के लेखन का अभ्यास कर व्यवहारिक जीवन में उसका प्रयोग कर सकेंगे।	
II	**वाचन कौशल**	**07**
	1. वाचन कौशल का अर्थ एवं महत्व **2. वाचन के प्रकार**	
	Unit Outcome: UO 1. विद्यार्थी वाचन कौशल का अर्थ और महत्व को आत्मसात करेंगे। UO 2 विद्यार्थी वाचन के प्रकारों का अध्ययन कर प्रभावी वाचन प्रस्तुत कर सकेंगे।	
III	**ग़ज़ल लेखन**	**08**
	1. ग़ज़ल का अर्थ एवं परिभाषा **2. ग़ज़ल का उद्भव एवं विकास** **3. ग़ज़ल का स्वरूप एवं अंग**	
	Unit Outcomes: UO 1. विद्यार्थी ग़ज़ल की परिभाषा, उद्भव और विकास को समझ पाएंगे। UO 2 विद्यार्थी ग़ज़ल के स्वरूप और अंगों का अध्ययन कर सृजनात्मक लेखन कर सकेंगे।	
IV	**ग़ज़ल**	**07**
	1. साये में धूप – दुष्यंत कुमार **2. मिर्ज़ा गालिब की गज़ल**	
	Unit Outcomes: UO 1. विद्यार्थी दुष्यंत कुमार और मिर्ज़ा ग़ालिब की ग़ज़लों का अध्ययन कर उनके साहित्यिक महत्व को समझ पाएंगे। UO 2 विद्यार्थी इन ग़ज़लों का सामाजिक-सांस्कृतिक दृष्टि से आलोचनात्मक विवेचन कर सकेंगे।	

Learning Resources:

1. ग़ज़ल का विकास – डॉ. गोपाल राय – राजकमल प्रकाशन – 2009
2. ग़ज़ल लेखन कला – डॉ. राधेश्याम मिश्रा – राजपाल एंड संस – 2013
3. ग़ज़ल समीक्षा – डॉ. सुरेशचंद्र शुक्ल – प्रभात प्रकाशन – 2014
4. ग़ज़ल: स्वरूप और संवेदना – डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी – भारतीय ज्ञानपीठ – 2010
5. दुष्यंत कुमार की ग़ज़लें (साये में धूप) – दुष्यंत कुमार – राजकमल प्रकाशन – 1975
6. मिर्ज़ा ग़ालिब की ग़ज़लें – मिर्ज़ा ग़ालिब – भारतीय ज्ञानपीठ – 2012
7. वाचन कौशल और अभिव्यक्ति – डॉ. नरेन्द्र मोहन – साहित्य भवन – 2011
8. वक्तृत्व और वाचन कला – डॉ. रामविलास शर्मा – लोकभारती प्रकाशन – 2008
9. लेखन कौशल और भाषा – डॉ. अर्चना सिंह – हिंदी ग्रंथ अकादमी – 2019
10. लेखन कला: स्वरूप और प्रकार – डॉ. श्यामसुंदर शर्मा – राजकमल प्रकाशन – 2018

Internal Examination Pattern :

CAT – I – Assignment / Film review / Book review etc.

CAT – II – Seminar / Poster Presentation / Surprise Test etc.

Mapping of POs, PSOs and COs:

COs/POs & PSOs	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4
CO1	3	2	2	2	2	1	2	2	2	3	2	2
CO2	2	2	2	3	2	2	2	3	2	2	3	2
CO3	2	2	3	2	2	2	2	2	2	3	2	2
CO4	2	3	2	2	3	2	2	2	3	2	2	3

Scale : 3 = High, 2 = Moderate, 1 = Low, 0 = No correlation.

शिव छत्रपती शिक्षण संस्था लातूर
Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur (Autonomous)

Shiv Chhatrapati Shikshan Sanstha's

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

Empowered Autonomous Institution

Extra Credit Activities

Sr. No.	Course Title	Credits	Hours T/P
1	MOOCs	Min. of 02 credits	Min. of 30 Hrs.
2	Certificate Courses	Min. of 02 credits	Min. of 30 Hrs.
3	IIT Spoken English Courses	Min. of 02 credits	Min. of 30 Hrs.

Guidelines:

Extra -academic activities

1. All extra credits claimed under this heading will require sufficient academic input/ contribution from the students concerned.
2. Maximum 04 extra credits in each academic year will be allotted.
3. These extra academic activity credits will not be considered for calculation of SGPA/CGPA but will be indicated on the grade card.

Additional Credits for Online Courses:

1. Courses only from SWAYAM and NPTEL platform are eligible for claiming credits.
2. Students should get the consent from the concerned subject Teacher/Mentor/Vice Principal and Principal prior to starting of the course.
3. Students who complete such online courses for additional credits will be examined/verified by the concerned mentor/internal faculty member before awarding credits.
4. Credit allotted to the course by SWAYAM and NPTEL platform will be considered as it is.

Additional Credits for Other Academic Activities:

1. One credit for presentation and publication of paper in International/National/State level seminars/workshops.
2. One credit for measurable research work undertaken and field trips amounting to 30 hours of recorded work.
3. One credit for creating models in sponsored exhibitions/other exhibits, which are approved by the concerned department.
4. One credit for any voluntary social service/Nation building exercise which is in collaboration with the outreach center, equivalent to 30 hours
5. All these credits must be approved by the College Committee.

Additional Credits for Certificate Courses:

1. Students can get additional credits (number of credits will depend on the course duration) from certificate courses offered by the college.
2. The student must successfully complete the course. These credits must be approved by the Course Coordinators.
3. Students who undertake summer projects/ internships/ training in institutions of repute through a national selection process, will get 2 credits for each such activity. This must be done under the supervision of the concerned faculty/mentor.

Note:

1. The respective documents should be submitted within 10 days after completion of Semester End Examination.
2. No credits can be granted for organizing or for serving as office bearers/ volunteers for Inter-Class / Associations / Sports / Social Service activities.
3. The office bearers and volunteers may be given a letter of appreciation by the respective staff coordinators. Besides, no credits can be claimed for any services/ activities conducted or attended within the college.
4. All claims for the credits by the students should be made and approved by the mentor in the same academic year of completing the activity.
5. Any grievances of denial/rejection of credits should be addressed to Additional Credits Coordinator in the same academic year.
6. Students having a shortage of additional credits at the end of the third year can meet the Additional Credits Coordinator, who will provide the right advice on the activities that can help them earn credits required for graduation.

शिव छत्रपती शिक्षण संस्था लातूर
।। आरोह तमसो ज्योतिः ।।
Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur (Autonomous)

Shiv Chhatrapati Shikshan Sanstha's

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

Empowered Autonomous Institution

Examination Framework

Theory:

40% Continuous Assessment Tests (CATs) and 60% Semester End Examination (SEE)

Practical:

50% Continuous Assessment Tests (CATs) and 50% Semester End Examination (SEE)

Course	Marks	CAT & Mid Term Theory				CAT Practical		Best Scored CAT & Mid Term	SEE	Total
1	2	3				4		5	6	5 + 6
		Att.	CAT I	Mid Term	CAT II	Att.	CAT			
DSC/DSE/ GE/OE/Minor	100	10	10	20	10	-	-	40	60	100
DSC	75	05	10	15	10	-	-	30	45	75
Lab Course/AIPC/ OJT/FP/SEC (Science & Technology)	50	-	-	-	-	05	20	-	25	50
VSC/SEC/ AEC/VEC/CC	50	05	05	10	05	-	-	20	30	50

Note:

1. All Internal Exams are compulsory
2. Out of 02 CATs best score will be considered
3. Mid Term Exam will be conducted by the Exam Section
4. Mid Term Exam is of Objective nature (MCQ)
5. Semester End Exam is of descriptive in nature (Long & Short Answer)
6. CAT Practical (20 Marks): Lab Journal (Record Book) 10 Marks, Overall Performance 10 Marks